M.J.M.C Part 2

Paper --- (15) Communication Research

Topic ---Research Design

Prepared by---Dr. Kavita Raj, v.Faculty, Public Administration,A.N.College,

कोई भी अनुसंधान मनगढ़ंत ढंग से नहीं प्रारंभ किया जा सकता है। अनुसंधान को क्रमबद्ध एवं प्रभावपूर्ण ढंग से समय ,काल एवं लागत के न्यूनतम प्रयासों के साथ संचालित करने को "अभिकल्पना "कहते हैं। वस्तुतः शोध अभिकल्प का अर्थ है वह योजना या कार्यप्रणाली है, जिसके अनुकूल शोध किया जाता है ।शोधकर्ता योजना बनाता है कि शोध कैसे किया जाएगा ।सामाजिक अनुसंधान में शोध डिजाइन की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है ।

विद्वानों ने शोध अभिकल्प को समझने के लिए परिभाषाएं दी है--

कारलिंगर के अनुसार ,"सामाजिक अनुसंधान अभिकल्पना एक परियोजना है। जिसे शोधकर्ताओं द्वारा इस ढंग से तैयार किया जाता है , जिसमें परिकल्पना लेखन से लेकर अध्ययन तक तथा अंतिम विश्लेषण की रूपरेखा निहित हो। इस प्रकार research design शोध के विषयों के बारे में अनुभव प्रदान करने की एक वैज्ञानिक परियोजना है।"

मौहसिन के अनुसार," शोध- अभिकल्प एक योजना है ,जिससे शोधकर्ता अवलोकित तथ्यों तथा घटनाओं से वैध निष्कर्ष प्राप्त करते हैं।"

विभिन्न प्रकार के विचारकों की परिभाषा के अध्ययन से यह स्पष्ट है कि ---

#शोध अभिकल्प एक प्लान है, जिसके अंतर्गत शोध कार्य करने का निर्णय लिया जाता है।

यह एक ऐसी सोच व्यवस्था है जिसमें योजना की विशिष्ट संरचना होती है ।

#यह एक शोध प्रणाली की व्याख्या भी करता है।

शोध अभिकल्प द्वारा शोध समस्या का उत्तर तैयार किया जाता है ।

#शोध कार्य की विधियों प्रविधियां उपकरणों तथा परीक्षणों का उल्लेख करने का कार्य भी शोध अभिकल्प का ही है ।

इस प्रकार उपरोक्त से स्पष्ट है कि रिसर्च डिजाइन या शोध अभिकल्प शोध समस्या के प्रतिपादन से लेकर रिसर्च रिपोर्ट शोध प्रतिवेदन के अंतिम चरण का

प्रस्तुतीकरण है ,जिससे समस्त उपलब्ध विकल्पों को देखते हुए अंतिम उद्देश्य प्राप्त किया जा सके।

सामाजिक अनुसंधान में शोध अभिकल्प की भूमिका --

किसी भी सामाजिक अनुसंधान का प्रारंभ किसी समस्या से होता है इस समस्या के समाधान के लिए परिकल्पना दी जाती है जो अध्ययन का तत्कालिक उत्तर होता है परिकल्पना के परीक्षण के लिए डिजाइन तैयार किया जाता है पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण होता है ।

इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है जिसे हम निम्नलिखित बिंदुओं से समझ सकते हैं---

(१) योजना बनाने में ----शोध को पूरा करने की योजना बनाने में सहायता मिलती है ।शोधकर्ताओं योजना बनाता है ।इसके अंतर्गत वह तय करता है कि परिकल्पनाओं का

परीक्षण अ्वैध रूप से कैसे किया जाएगा । आंकड़ा संग्रह कैसे किया जाएगा। एक प्रकार से योजना बनाने के लिए research design एक आवश्यक पक्ष है।

(२) शोध संरचना में---

संरचना का अर्थ है , शोध व्यवस्था तथा चारों के संचालन के निर्देश-- ये दोनों ही अनुसंधानकर्ता की आवश्यक है जो कि शोध डिजाइन से ही संभव है।

(३) शोध प्रणाली में -सहायक--

शोध अभिकल्प एक ऐसी परियोजना है जो अधिकारी में प्रयुक्त होने वाली प्रविधियां विधियों, उपकरणों तथा परीक्षणों का विवरण देता है ।यह शोध कार्यप्रणाली के निर्माण में सहायक होता है।

(४)शोध अध्ययन की प्रकृति--- अनुसंधान अभिकल्प द्वारा शोध का प्रकार एवं स्वरूप स्पष्ट होता है ।जिसमें उसकी प्रकृति सांख्यिकीय ,व्यक्तिगत ,तुलनात्मक, प्रायोगिक ,विश्लेषणात्मक, अन्वेषणात्मक या मिश्रित प्रकार का हो सकता है।

(५)असंबद्ध चरों को को नियंत्रित करने में भूमिका--- सामाजिक शोधकर्ता अपने अभिकल्प के आधार पर असंबंद्ध घरों के प्रभावों को आश्रित चर पर पड़ने से रोक देता है ,जिसको देखना शोधकर्ता का उद्देश्य नहीं होता है।

कारलिंगर के अनुसार," शोध अभिकल्प का मुख्य कारण विचलन नियंत्रण है ",इसका अर्थ है कि आप अपने शोध की तरफ केंद्रित रहें।

(६) research design से निश्चित निष्कर्ष ---

अनुसंधान अभिकल्प से किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचने में सहायता मिलती है ।

(७)अनुसंधान अभिकल्प का मौलिक कार्य शोध को पर वस्तुनिष्ठ तथा यथार्थ बनाना होता है ।अभिकल्प जिस हद तक वैज्ञानिक होता है ,अध्ययन उसी हद तक वस्तुनिष्ठ तथा यथार्थ हो पाता है।

(८) अनुसंधान अभिकल्प वैध निष्कर्ष प्राप्त करने में सहायक--- अनुसंधान अभिकल्प किसी भी सामाजिक अनुसंधान में वैध निष्कर्ष प्राप्त करने में सहायक होता है शोधकर्ता समुचित विकल्प का उपयोग करके वैध परिणाम प्राप्त करने में सफल होता है ।ऐसे परिणाम प्राप्त किए जाते हैं जिनके आलोक में भविष्यवाणी करना संभव होता है ।इस प्रकार स्पष्ट है कि शोध किसी प्रकार का हो सामाजिक अथवा मनोवैज्ञानिक ,उसको वैज्ञानिकता

प्रदान करने के लिए अनुसंधान अभिकल्प का महत्वपूर्ण स्थान है। शोध को सफलता पूर्वक अध्ययन पूरा करने में अभिकल्प कई महत्वपूर्ण कार्यों में सहायक होता है ।

निष्कर्षत: ,कारलिंगर ने कहा है कि अनुसंधान अभिकल्प शोधकर्ता को इस योग्य बना देता है कि वह यथासंभव वैध वस्तुनिष्ठ, यथार्थ तथा मितव्यय रूप से शोध प्रश्नों का उत्तर दे सके।

अनुसंधान अभिकल्प की विशेषताएं---

##अनुसंधान अभिकल्प का संबंध सामाजिक अनुसंधान से होता है।

अनुसंधान अभिकल्प शोधकर्ता को शोध की एक निश्चित दिशा का बोध कराती है, इस अर्थ में अनुसंधान रचनाएं एक प्रकार की दिग्दर्शक है।

अनुसंधान प्ररचना की मुख्य विशेषता सामाजिक घटनाओं की जटिल प्रकृति को सरल रूप में प्रस्तुत करना है।

##अनुसंधान अभिकल्प शोध की रूपरेखा है, जिसकी रचना शोध कार्य प्रारंभ करने के पूर्व की जाती है ।

##शोध डिजाइन अनुसंधान प्रक्रिया के दौरान आने वाली परिस्थितियों को नियंत्रित करने एवं अनुसंधान कार्य को सरल बनाती है ।

##शोध अभिकल्प मानवीय श्रम को कम करने के साथ-साथ समय एवं लागत भी कम करती है ।

##रिसर्च डिज़ाइन शोध के दौरान आने वाली कठिनाइयों को भी कम करने में शोधकर्ता की सहायता करती है।

इसकी एक विशेषता है कि यह शोध के अधिकतम उद्देश्यों की प्राप्ति करने में सहायता करती है ।

इसका चयन सामाजिक अनुसंधान की समस्या एवं परिकल्पना की प्रकृति के आधार पर किया जाता है ।

##रिसर्च डिजाइन समस्या की प्रतिस्थापना से लेकर अनुसंधान प्रतिवेदन के अंतिम चरण तक के विषय में सभी उपलब्ध विकल्पों के बारे में व्यवस्थित रुप में श्रेष्ठ निर्णय लेने में सहायता करती है।

------धन्यवाद----